बाबा बुलाए खाटू दौड़े चले आए हम

बाबा बुलाए खाटू दौड़े चले आए हम -2
अपने कदमों को बिल्कुल रोक नहीं पाए हम ।।

तर्ज: बेटा बुलाये झट दौड़ी चली आये माँ
लेखक: विष्णु कुमार सोनी, कानपुर

कलयुग में मेरे बाबा की खाटू से सरकार चले ।
जो भी आए इसके दर पर उसका बेड़ा पार करें ।।
इनकी चौखट पर आ करके, मनचाहा वर पाये हम ।
बाबा बुलाये...

लखदातार हमारा बाबा, सबकी झोलियां भरता है ।
संकट में जो इसको ध्यावे, उसके संकट हरता है ।।
हारे का जो बने सहारा, उसको सदा मनाये हम,
बाबा बुलाये....

हर ग्यारस पर मिले बुलावा, खाटू वाले धाम से ।
बस इतनी ही करे विनती, 'विष्णु' बाबा श्याम से ।।
बारम्बार शीश के दानी, तेरे दर्शन पाये हम ।
बाबा बुलाये.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33647/title/Baba-bulaye-Khatu-daude-chale-aaye-hum

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |